



सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे,  
एम.ए. हिंदी उपाधी हेतू प्रस्तुत  
सधु शोध परियोजना

## वैश्विक महामारी का इतिहास और बदलती मानवीय संचेतना

शोधार्थी  
कु. सुरेखा धुमाल  
एम.ए. द्वितीय वर्ष

मार्गदर्शक  
श्रीम्. एस. ए. देशमुख.

सा. प्राध्यापिका

हिंदी विभाग

कला वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, सोनई

हिंदी विभाग

कला वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, सोनई  
तह- नेवासा, जिला- अहमदनगर

वर्ष-२०२०-२१

मुळा एज्युकेशन सोसाइटी चे

कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, सोनई

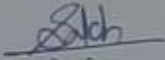
तह-नेवासा, जिला-अहमदनगर

हिंदी विभाग

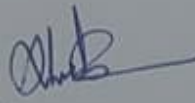
प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि शोधार्थी कु. सुरेखा धुमाळ, एम.ए. द्वितीय वर्ष ने हिंदी विभाग, कला वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, सोनई में मेरे निदेश में सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे के एम.ए. हिंदी की उपाधी हेतू प्रस्तुत शोध परियोजना का कार्य संपन्न किया है एवं मेरी जानकारी के अनुसार यह शोधार्थी का मौलिक कार्य है।

मैं इस शोध परियोजना जिसका शीर्षक "वैश्विक महामारी का इतिहास और बदलती मानवीय संचेतना" है को मुल्यांकन हेतू प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करती हूँ।

  
मार्गदर्शक

श्रीम्. एस. ए. देशमुख.

  
विभाग प्रमुख

डॉ. एस. बी. चौधारे

  
प्राचार्य

डॉ. शंकर लावरे

**Head of Department Hindi**  
**Arts, Commerce & Science College**  
**Sonai, Tal. Newasa, Dist. A. Nagar**


**PRINCIPAL**  
**Mula Education Society's**  
**Arts, Commerce & Science College, Sonai**  
**Tal. Newasa, Dist. Ahmednagar Pin 414105**

मुळा एज्युकेशन सोसाइटी चे  
कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, सोनई  
तह-नेवासा, जिला-अहमदनगर  
हिंदी विभाग  
घोषणा पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे के एम.ए. हिंदी की उपाधी हेतू यह लघु शोध परियोजना का कार्य श्रीम्. एस. ए. देशमुख के निर्देश में संपन्न किया गया है। जिसका शीर्षक "वैश्विक महामारी का इतिहास और बदलती मानवीय संचेतना" है।

यह मेरे स्वयं का मौलिक कार्य है। मेरी जावकारी के अनुसार कला, वाणिज्य व विज्ञान महाविद्यालय, सोनई के हिंदी विभाग में इससे पूर्व इस विषय पर कोई शोधकार्य नहीं किया गया है।

दिनांक- 15/7/21

  
शोधार्थी

स्थान - Sonai

कु. सुरेखा धुमाळ